ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-७२
दिनांक-बुधवार,११ सितम्बर,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३३.० एवं २६.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८० सुबह में एवं दोपहर में ६० प्रतिशत, हवा की औसत गति ५.५ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ५.३ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३०.५ एवं दोपहर में ३१.६ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१२-१५ सितम्बर,२०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १२-१५ सितम्बर,२०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलो में हल्के से मध्यम गरज वाले बादल बन सकते हैं। इस अवधि में मैदानी जिलों के कुछ स्थानों तथा तराई जिलों के अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। मधुबनी एवं चम्पारण जिलों में थोड़ी अधिक वर्षा हो सकती है।
- अधिकतम तापमान ३३ से ३५ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २६ से २८ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- औसतन १२ से १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५५ से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई खड़ी फसलों में फिलहॉल सिंचाई स्थगित रखें एवं फसलों में कीटनाशी दवाओं का छिड़काव सावधानी पूर्वक करें। धान, मक्का, खरीफ प्याज, चारा एवं अन्य फसलों में आवश्यकतानुसार नत्रजन उर्वरक का व्यवहार करें।
- धनबाल निकलने की अवस्था में जो मक्का की फसल आ गयी हो उसमें ३० किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- अगात बोयी गई धान की फसल जो गाभा निकलने की अवस्था में आ गयी हो, उसमें ३० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। पिछात धान की फसल में तना छेदक (स्टेम बोरर) एवं पत्ती लपेटक (लीफ फोल्डर) कीट की निगरानी करें। पत्ती लपेटक कीट के पिल्लू धान के पत्तियों के दोनो किनारों को रेशमी धागे से जोड़कर उसके अन्दर रहते है तथा पत्तियों की हरीत्तिमा को खाता है। बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराईड दाने-दार दवा का १० किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से व्यवहार करें।
- किसान भाई इस माह की १५ सितम्बर तक अरहर की बुआई उचॉस जमीन में संपन्न कर ले। इसके लिए पूसा-९ एवं शरद प्रभेद अनुशंसित है। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फुर,२० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए। जुन-जुलाई में बोयी गई अरहर की फसल में कीट-व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- मूली एवं गाजर की अगेती बुआई करें। मूली के लिए *पूसा चेतकी, पूसा देशी, पूसा हिमानी, जौनपुरी जापानी सफेद, पूसा रश्मि, जापानी सफेद, पंजाब सफेद, अर्का निशान्त* आदि प्रभेद अनुशंसित है। गाजर के लिए *पूसा केसर, पूसा मेघाली, पूसा यमदागिनी, अमेरिकन ब्युटी, कल्याणपुर येलो एवं नैन्टेस* प्रभेद अनुशंसित है। बीजदर ४ से ५ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर तथा २५ X१० से०मी० की दुरी पर बुआई करें।
- फूलगोभी की पूसा अगहनी,पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक-१, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेधना, काशी कुवॉरी एवं अर्ली स्नोवॉल आदि किस्मों की रोपाई करे। अगात फुल गोभी में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगराणी करे। पत्तागोभी की अगात किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए प्राइड ऑफ इण्डिया, गोल्डेन एकर, पूसा मुक्ता, पुसा अगेती एवं अर्ली ड्रम हेड किस्में अनुशंसित है।
- बैगन की तैयार पौध की रोपाई करें। रोपनी से पहले १ ग्राम फ्युराडान ३ जी० दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला कर रोपनी करें। २०-२५ दिनों वाली फसल में निकौनी व आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- मिर्च की फसल में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दे, तदुपरांत इमिडाक्लोप्रिड एक मी०ली० प्रति ३ लीटर पानी की दर घोल बनाकर छिड़काव करें।
- भिंडी, उरद् और मूंग की फसल में पीला मोजैक वायरस रोग की निगरानी करें। यह रोग सफेद मक्खी द्वारा फैलता है। रोगग्रस्त पौधों को उखार कर नष्ट कर फसल में अनुशंसित दवा का छिड़काव करें।
- दुधारु पशुओं में बरसात के अन्त में यकृत कृमि (लिवर फ्लुक) एवं एम्फीस्टोम का संक्रमण खासकर नदी, तालाब या बाढ़ के पानी से संक्रमित चारा खाने से बहुत अधिक होता है। इससे वचाव के लिए ऑक्सीक्लोजानाईड एवं लिबामिजोल १०० मि०ली० खाली पेट पशुओं को अवश्य पिलायें।

आज का अधिकतम तापमानः ३३.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.३ डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २६.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.४ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी